



घर की बात है

“मेरे प्यारे भैया अमित, आज आपने यह साबित कर दिया कि आप कभी किसी लड़की को नहीं छोड़ सकते, भले ही वो आपकी बहन ही क्यों ना हो !क्योंकि आप नपुंसक हो। ...”

Story By: अजय कुमार (mr_blue_1988)

Posted: Tuesday, August 29th, 2006

Categories: [रिश्तों में चुदाई](#)

Online version: [घर की बात है](#)

घर की बात है

हैलो दोस्तो, अन्तर्वासना पढ़ने वाले लोगों को मेरा सलाम। मैं अन्तर्वासना को लगभग दो सालों से पढ़ रहा हूँ और मैं अन्तर्वासना का बहुत बड़ा फैन हूँ। इन दो सालों में मुझे लगा कि मुझे भी अपनी कहानी अन्तर्वासना को भेजनी चाहिये। इसलिये मैं अपनी कहानी लिख रहा हूँ। आशा करता हूँ कि आपको यह कहानी पसन्द आयेगी। मैं आपको पहले ही बता दूँ कि यह कहानी सच्ची नहीं है, लेकिन सच्चाई से दूर भी नहीं है। यह मैं आप पर छोड़ता हूँ कि आप इसे सच्ची कहानी मानें या झूठी।

अब मैं आपको अपने बारे में बता दूँ। मेरा नाम अमित है और मैं 19 साल का हूँ। मेरे घर में 4 सदस्य हैं। मेरी मम्मी और पापा और मैं और मेरी बहन रेखा। यह कहानी मेरे और मेरी बहन के बीच हुए सेक्स की कहानी है।

अब मैं आपको अपनी बहन के बारे में थोड़ा बता दूँ। वो 20 साल की है और बहुत सेक्सी है। बिलकुल रान्ड लगती है। उसका फ़िगर 34-26-38 है। मैं जब भी उसे देखता हूँ तो मेरा लन्ड फुदकने लगता है। मेरा लन्ड हमेशा उसको चोदने को तड़पता रहता। लेकिन वो मेरी बहन है इसलिये अपने हमेशा मुठ मार के रह जाता। लेकिन जब से मैंने अन्तर्वासना को पढ़ना शुरू किया तो मुझे लगा कि बहनों को चोदने में कोई बुरी बात नहीं है। आखिर वो भी तो लड़की है, उसे भी तो एक लन्ड की जरूरत है, फ़िर चाहे वो लन्ड उसके भाई का ही क्यों न हो।

फिर मैंने अपना मन बदला और अपनी बहन को चोदने का मौका खोजने लगा। इसी बीच मुझे जब मौका मिलता तो मैं रेखा की ब्रा और पैन्टी पहनकर घर में घूमता। ऐसा करने में मुझे बड़ा मजा आता है। (कभी आप भी करना)

एक दिन जब घर पर कोई नहीं था तो मैंने सोचा कि चलो रेखा की ब्रा और पैन्टी पहनते हैं। मैं ब्रा और पैन्टी पहनकर घर में घूम रहा था कि तभी अचानक रेखा आ गई। मैं दो मिनट के लिये स्तब्ध रह गया और मेरे होश उड़ गये थे। रेखा मुझे देखती जा रही थी और मुझे लगा कि अब मेरी पोल खुल गई। लेकिन जैसा मैंने सोचा वैसा हुआ नहीं, रेखा तो जोर जोर से हँस रही थी।

मुझे थोड़ा अटपटा लगा और मैं कमरे में भाग गया। थोड़ी देर के बाद मैं उसके कमरे में उसकी ब्रा और पैन्टी देने गया। वहा मैंने देखा कि वो अपने कपड़े बदल रही है। रेखा की पीठ बिल्कुल नंगी थी।

मुझे देखकर उसने कहा- अच्छा हुआ कि तुम आ गये, मुझे मेरी ब्रा और पैन्टी चाहिये थी !

फिर उसने मुझ रोका और पूछा- तुम मेरी ब्रा और पैन्टी क्यों पहनते हो ?

मैंने कहा- बस यँ ही ! मुझे अच्छा लगता है तुम्हारे कपड़े पहनना, लेकिन तुम माँ से कुछ मत कहना !

रेखा ने कहा- नहीं कहूँगी, लेकिन मुझे एक बात बताओ- क्या तुम्हें सिर्फ़ मेरी ब्रा-पैन्टी ही अच्छी लगती है, मैं नहीं ?

मैंने कहा- नहीं ऐसी बात नहीं है, तुम तो मेरी बहन हो, और बहन तो सभी को अच्छी लगती है।

रेखा ने कहा- अच्छा, तो तुम मेरा एक काम करोगे ?

मैंने कहा- कौन सा काम ?

फिर रेखा काफ़ी देर तक खामोश रही और थोड़ी देर बाद बोली- यह काम तुम कर सकते

हो, लेकिन शायद तुम नहीं करोगे !

मैंने कहा- तुम कहो तो जरा ! तुम मेरी बहन हो और तुम्हारा हर काम मैं करूंगा, मैं तुम्हारी राखी का फ़र्ज निभाऊंगा ।

यह कहकर मैंने माहौल को हल्का करने की कोशिश की । लेकिन मुझे विश्वास नहीं हुआ जो उसने कहा ।

रेखा ने मुझे से कहा- क्या तुम मुझे चोद सकते हो ? अभी !

यह सुनते ही अचानक मैं डर गया और मैं रेखा से थोड़ा दूर हो गया ।

मैंने कहा- यह क्या कह रही हो तुम ? तुम मेरी बहन हो और कोई भी भाई अपनी बहन को नहीं चोदता है !

रेखा हँसते हुए बोली- अपनी बहन की ब्रा और पैन्टी पहनते हुए तो तुम्हें यह ख्याल नहीं आया कि मैं तुम्हारी बहन हूँ ?

मैंने थोड़ा ठण्डे दिमाग से सोचा कि रेखा सही कह रही है और ऐसा मोका मुझे फिर नहीं मिलेगा । फिर भी मैंने यूँ ही कहा कि यह गलत है ।

उसने कहा- इसमें कोई बुराई नहीं है, किसी को कुछ पता नहीं चलेगा, घर में कोई नहीं है, तेरे पास लण्ड है और मेरे पास चूत है ! जल्दी कर मेरे भाई ! लूट ले आज अपनी बहन की इज्जत !

रेखा के इतना सब कहने पर भी मैंने उससे कहा- मैं यह नहीं कर सकता, तुम मेरी बहन हो ।

और इतना कहने के बाद मैं अपने कमरे में चला गया और मैं अपने आप को कोसता रहा कि

मैंने अपनी बहन को चोदने का सुनहरा मौका खो दिया। लेकिन कुछ देर बाद मेरे कमरे के दरवाजे के नीचे से एक कागज (चिट्ठी) आया। उस पर कुछ लिखा था, जिसे पढ़कर मुझे बहुत गुस्सा आया।

उस पर लिखा था- मेरे प्यारे भैया अमित, आज आपने यह साबित कर दिया कि आप कभी किसी लड़की को नहीं चोद सकते, भले ही वो आपकी बहन ही क्यों ना हो ! क्योंकि आप नपुंसक हो। आप में वो ताकत ही नहीं है जिसकी एक लड़की को जरूरत होती है। मुझे यह कहने में ज़रा भी शर्म नहीं कि मेरा भाई नामर्द है।

यह पढ़कर मेरे अन्दर का भाई मर गया और एक जानवर जाग गया। मैं रेखा के कमरे में गया। रेखा अपने बेड पर लेट कर किताब पढ़ रही थी। मुझे देखकर वो खड़ी हो गई और मुझसे पूछा- तुम वापस क्यों आये ? मैंने कहा- मैं तुम्हारी चिट्ठी का जवाब देने आया हूँ !

और इतना कहकर मैं रेखा के पास गया और उसके बाल पकड़कर खींचे और जैसे ही वो चिल्लाई तो मैंने अपने होंठ उसके होंठों पर रख दिये। हम दोनों के होंठ आपस में लगभग 10-15 मिनट तक चिपके रहे। हम दोनों एक दूसरे के होंठ चूस रहे थे। मुझे विश्वास नहीं हो रहा था कि मैं अपनी बहन को चूम रहा हूँ और उसके होंठ चूस रहा हूँ।

थोड़ी देर बाद हमारे हम एक दूसरे से अलग हुए। फिर मैंने उसके पीछे जाकर उसकी शर्ट फाड़ दी, अब उसकी काली ब्रा साफ नजर आ रही थी। इतने में रेखा ने अपना हाथ मेरे लन्ड पर रख दिया, और मेरा लन्ड निकाल लिया। मेरा लन्ड के बाहर आते ही मैंने कहा- यह ले मेरी प्यारी बहन ! देख ले अपने नामर्द भाई का लन्ड !

इस पर रेखा बोली- ऐसा मत कहो भाई, मैंने तो सिर्फ़ तुझे उकसाने के लिये ही ऐसा कहा था, ताकि तू अपनी बहन को चोदे और मुझे मेरे भाई का लन्ड चूसने को मिले !

मैंने कहा- ठीक है, अब चूस ले जितना चूसना है अपने भाई का लन्ड ।

और रेखा मेरे लन्ड को चूसने लग गई । रेखा मेरे लन्ड को ऐसे चूस रही थी जैसे कोई आइसक्रीम खा रही हो । कुछ देर तक वो मेरा लन्ड ही चूसती रही । थोड़ी देर बाद मैंने उसके सारे कपड़े उतार दिये और खुद भी नंगा हो गया । नंगे होने के बाद रेखा मुझसे बोली- भैया, मेरी चूत में खुजली हो रही है, मेरी चूत की खुजली मिटाओ ना !

मैंने कहा- अभी लो बहना !

फिर मैंने उसकी चूत चाटना शुरू किया, आह ! आह क्या मुलायम चूत थी रेखा की ! मजा आ गया अपनी बहन की चूत चाटकर तो । चूत चाटने के बाद मैंने उसके स्तन दबाने शुरू किये और उनको चूसने लगा । जब मैं उसकी चूत चाट रहा था और स्तन दबा रहा था तब वो सिसकियाँ ले रही थी कुछ इस तरह से- आहऽऽ ऊ...ऊ...ऊ.....ऊ आह ... आउच... आह..... ऊ... ऊ.....आउच !

उसकी सिसकियों से पूरा कमरा गूँज रहा था । कुछ देर तक ऐसा ही चलता रहा । लेकिन फिर रेखा बोली- भाई, अब बहुत हो गया चाटना-चटाना, अब असली काम शुरू करो !

फिर मैं वो काम करने के लिये तैयार हुआ जो दुनिया का कोई भी भाई करना नहीं चाहता, लेकिन जब आपकी बहन ही आपके सामने अपनी दोनों टांगों खोलकर बैठ जाये तो आप कर ही क्या सकते हैं, इसलिये मैं मजबूर था और मैंने अपना लन्ड डाल दिया अपनी बहन की चूत में !

और रेखा जोर चिल्लाई- आह..... आउच..... आह..... ऊ... ।

फिर मैंने धीरे धीरे धक्के लगाने शुरू किये और वो सिसकियाँ लेने लगी ।

मैंने रेखा से पूछा- मेरी प्यारी बहना, मेरी रन्डी बहना, मजा आ रहा है ना अपने भाई से चुदने में ?

रेखा बोली- हाँ, मेरे बहनचोद भाई, मजा आ रहा है !

इसी बीच मेरे धक्कों की स्पीड बढ़ती जा रही थी और उसकी सिसकियों की भी ।

मैंने रेखा से पूछा- रन्डी रेखा, लगता है तुम्हें चुदने का काफी अनुभव है । कितनों से चुदवा चुकी हो अब तक ?

रेखा बोली- 10 या 15 जनो से चुद चुकी हूँ अब तक !

मैंने कहा- 10-15 ? तुम क्या रन्डी बनना चाहती हो ?

रेखा बोली- हाँ भैया, लेकिन ये बातें बाद में करेगे, अभी तो तुम मुझे जोर-जोर चोदो और फाड़ दो मेरी चूत को °

फिर मैंने अपने धक्कों की गति दोगुनी कर दी और रेखा को जोर-जोर चोदने लगा । रेखा भी जोर-जोर चिल्ला रही थी- चोद, मादरचोद, बहनचोद चोद अपनी बहन को ! आज फाड़ दे अपनी बहन की चूत को, आह.... आउच..... आह..... ऊ... मेरे प्यारे भैया ! चोद, चोद, चोद, फाड़ दे.....

फिर लगभग 25-30 मिनट बाद मैं उसकी चूत में ही झड़ गया । काफी देर तक हम एक दूसरे से चिपके रहे । थोड़ी देर बाद हम दोनों उठे और हम दोनों ने एक दूसरे को देखा । तभी रेखा हँस पड़ी । रेखा के हँसने से मेरे दिल का बोझ कम हो गया । रेखा ने मेरे होठों पर चूमते हुये कहा- भगवान, मेरे जैसा भाई सभी को दे !

लेकिन फिर उसने मुझे उदास देखते हुये कहा- भैया, इस बारे में ज्यादा मत सोचो, ये तो

“घर की बात है।”

फिर मैं भी हँस पडा और बाजार जाकर आई-पिल लेकर आया ताकि वो माँ ना बन जाये ।
इस तरह हम भाई-बहन की पहली सेक्स कहानी खत्म हुई ।

mr_blue_1988@yahoo.com

Other stories you may be interested in

ताऊ जी का मोटा लंड और बुआ की चुदास

जो कहानी मैं आप लोगों को सुनाने जा रहा हूँ वह केवल एक कहानी नहीं है बल्कि एक सच्चाई है. मैं आज आपको अपनी बुआ की कहानी बताऊंगा जो मेरे ताऊ जी के साथ हुई एक सच्ची घटना है. आगे [...]

[Full Story >>>](#)

दो लंड और एक चूत

दोस्तो, मेरा नाम रानी है. मैं आगरा की रहने वाली हूँ. मैं अन्तर्वासना की नियमित पाठक रही हूँ. बहुत दिनों से मेरा भी अपनी मन कर रहा था कि मैं भी अपनी कहानी लिखूँ. मेरा फिगर 34-30-36 का है और [...]

[Full Story >>>](#)

पाठिका संग मिलन-5

मैं घूमकर उसके सामने आ गया उसके नुकीले उभारों के बीच। अभी तक हम अगल बगल बैठे थे। वह अपने वक्ष को ढकने लगी, मैंने उसकी कलाइयाँ पकड़कर लीं। उसके दोनों उरोज अजब चालू सी नुकीली डिजाइन के कपों में [...]

[Full Story >>>](#)

दूध में भांग मिला के नौकरानी के साथ सेक्स

मैं आपको ऐसी मस्त सेक्स कहानी सुनाने वाला हूँ, जिसे आप सुनकर काफी आनंदित हो जाएंगे. यह कहानी काफी मजेदार है, साथ ही रोमांचक भी है. आप भी काफी सावधानी से ऐसा करके किसी के साथ इस प्रकार का सेक्स [...]

[Full Story >>>](#)

नखरीली मौसी की चुदाई शादी में-2

अभी तक आपने पढ़ा कि मैं मौसी को पटाने की कोशिश कर रहा था और शादी में जगह की कमी के कारण मौसी को मेरी बगल में ही सोना पड़ा. मैं इस मौके को भुनाना चाहता था. अब आगे : मैंने [...]

[Full Story >>>](#)

